

**Atomic Energy Central School No. -3 Mumbai**  
**Report on a visit to Naval Dockyard**  
**Naval Dockyard, Mumbai**



शनिवार, 26 जुलाई 2025 को कक्षा 9 के उत्साही छात्रों का एक समूह नौसेना डॉकयार्ड की शैक्षिक यात्रा पर निकला। स्कूल द्वारा इस यात्रा का आयोजन छात्रों को भारत की समुद्री रक्षा प्रणाली और नौसेना में संभावित करियर के अवसरों से परिचित कराने के लिए किया गया था।

On Saturday 26<sup>th</sup> July 2025 a group of enthusiastic class 9<sup>th</sup> class students embarked on an educational trip to the Naval Dockyard. The visit was organized by the school to provide students with exposure to India's maritime defence system and potential career opportunities in the Navy.

**उद्देश्य/ Objective**

इस शैक्षिक दौरे का उद्देश्य उन्हें कक्षा के बाहर अद्वितीय शिक्षण अनुभव प्रदान करना था, ताकि वे भारतीय नौसेना के संचालन, जहाजों के रखरखाव और प्रयुक्त प्रौद्योगिकियों के बारे में जान सकें, तथा समुद्री रक्षा के बारे में वास्तविक दुनिया की जानकारी प्राप्त कर सकें।

The educational visit aimed at providing them with unique learning experience outside the classroom, to learn about Indian Navy operations, how ships are maintained and the technologies used, giving them real world insights into maritime defence.

## परिचय/ Introduction-

छात्र सुबह 10 बजे डॉकयार्ड पहुँच गए, जहाँ नौसेना अधिकारियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। छात्रों को संग्रहालय ले जाया गया जहाँ उन्हें डॉकयार्ड के इतिहास और महत्व का संक्षिप्त परिचय दिया गया। उसके बाद छात्रों को जहाज रखरखाव क्षेत्र और नियंत्रण केंद्रों सहित विभिन्न वर्गों का निर्देशित दौरा कराया गया। उन्होंने नौसेना के उपकरणों की कार्यप्रणाली देखी और नौसेना कर्मचारियों के अनुशासन और दक्षता का अवलोकन किया।

इस यात्रा का एक मुख्य आकर्षण वरिष्ठ नौसेना अधिकारी द्वारा आयोजित एक विशेष करियर परामर्श सत्र था। अधिकारी ने नौसेना में जीवन, इसमें शामिल होने के लिए आवश्यक योग्यताएँ और तकनीकी, चिकित्सा और प्रशासनिक क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों की विस्तृत श्रृंखला के बारे में बात की। उन्होंने प्रेरक व्यक्तिगत अनुभव भी साझा किए, जिसने कई लोगों को भविष्य के करियर पथ के लिए प्रेरित किया।

The students arrived at the dockyard by 10:00 a.m., where they were warmly welcomed by naval officers. The students were taken to museum where a brief introduction to the dockyard's history and significance was given. After that students were taken to guided tour of various sections, including the ship maintenance zone, and control centres. They witnessed the functioning of naval equipment and observed the discipline and efficiency of the naval staff.

A highlight of the trip was a special career counselling session conducted by senior naval officer. The officer spoke about life in the Navy, the qualifications required to join, and the wide range of opportunities available in technical, medical, and administrative fields. They also shared inspiring personal experience which motivated many as a future career path.

## छात्र का दृष्टिकोण / Student's view –

9वीं ए की असप्रुहा कहती हैं कि यह यात्रा एक अद्भुत अनुभव था। भारतीय नौसेना के अभियानों को देखना ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक दोनों था। अधिकारी अविश्वसनीय रूप से विनम्र और जानकार थे। हमने युद्ध में इस्तेमाल होने वाले हथियार भी देखे। डॉकयार्ड के इतिहास के बारे में जानना भी दिलचस्प रहा।

Aspruha of 9<sup>th</sup> A says the visit was an amazing experience. It was both informative and inspiring to see the operations of the Indian navy. The officers were incredibly courteous and knowledgeable. We also saw weapon used in war. It was also interesting to know about history of the dockyard.

9वीं बी की स्वरा सिंह कहती हैं कि “मैं पनडुब्बियों और जहाजों को देखकर चकित रह गई। मुझे INSAS राइफल थामने का भी मौका मिला, जिससे रक्षा बल में शामिल होने की इच्छा जागृत हुई।”

Swara singh of 9<sup>th</sup> B says, "I was amazed to see submarines and ships also I had the opportunity to hold the INSAS rifle which ignited a desire to join the defense force."

सान्वी भनवाल के शब्दों में, "हमने बंदरगाह पर खड़े विभिन्न जहाजों और पनडुब्बियों को देखा, और अधिकारियों ने हमें बताया कि उनका रखरखाव और मरम्मत कैसे की जाती है। हमने भारतीय नौसेना के इतिहास, विभिन्न प्रकार के युद्धपोतों और नाविकों के प्रशिक्षण के बारे में भी जाना। डॉकयार्ड का अनुशासन, तकनीक और संगठन वाकई प्रेरणादायक था।"

In words of Saanvi Bhanwal, "We witnessed various ships and submarines docked at the harbor, and the officers explained to us how they are maintained and repaired. We also learned about the history of the Indian Navy, different types of warships, and how sailors are trained. The discipline, technology, and organization at the dockyard were truly inspiring."

अद्वैत मेनन लिखते हैं, "छात्रों और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्कूल और डॉक के सदस्यों ने असाधारण सावधानियां और उपाय लागू किए। हमारे साथ अत्यंत सावधानी और ध्यान से व्यवहार किया गया। छात्रों द्वारा उठाए गए हर सवाल का जवाब दिया गया। डॉक के सदस्यों और कर्मचारियों ने असाधारण निगरानी रखी, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि सब कुछ सुचारू और कुशलतापूर्वक हो। उस भव्य जहाज़ पर एक सामूहिक तस्वीर खिंचवाने के बाद, हमें वापस ले जाया गया। वापस आते हुए, हमने उस यात्रा पर गहराई से विचार किया। इसने हमें जो प्रेरणा दी, उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता, और इससे हमें जो ज्ञान मिला, वह भी शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। हम समुद्री योद्धाओं और बहादुर 'टाइगर्स ऑफ़ तेग' से काफ़ी प्रेरित हुए।"

Advaith Menon writes , "Exceptional precautions and measures were enforced both by the school and the dock members to ensure the uncompromising safety of the students and staff. We were treated with utmost care and consideration. Every single question and query raised by the students was answered. There was exceptional supervision by dock members and staff, who ensured that everything went smoothly and efficiently. After a group photograph on the majestic ship, we were escorted back. Travelling back, we reflected greatly on the visit. The inspiration it instilled in us is beyond words, and so is the knowledge it offered us. We were significantly inspired by the maritime warriors and the valiant 'Tigers of Teg'."

### **निष्कर्ष/Conclusion**

यह यात्रा ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक दोनों रही। इसने छात्रों को नौसेना कर्मियों के साहस और समर्पण की सराहना करने का अवसर दिया। इससे उन्हें समुद्री सुरक्षा के महत्व और राष्ट्र की सुरक्षा में रक्षा की भूमिका को समझने में भी मदद मिली।

यात्रा दोपहर 1:15 बजे समाप्त हुई और छात्र समृद्ध मन और अविस्मरणीय यादों के साथ लौटे। यह सभी के लिए वास्तव में एक मूल्यवान अनुभव था।

The visit was both informative and inspiring . it gave the students a appreciation for the courage and dedication of naval personnel.It also helped them understand the importance of maritime security and the role of defence in safeguarding the nation.



The trip was concluded by 1:15 p.m., and the students returned with enriched minds and unforgettable memories. It was a truly valuable experience for all.

### यात्रा की फोटो गैलरी/Photo Gallery Of The Visit







कृपया संपूर्ण एल्बम देखने के लिए लिंक पर जाएँ

Please visit the link for accessing the entire album

<https://photos.app.goo.gl/UhkD92dZ7V48jeAk7>